देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 10.11.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देवभूमि उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने पर जोर दिया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– केंद्र सरकार के सहयोग से आज उत्तराखंड शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, कृषि सहित सभी क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है।
- राज्य स्थापना की 'रजत जयन्ती' के अवसर पर गैरसैंण के भराड़ीसैंण में भव्य कार्यक्रम का आयोजन।
- और, राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर पौड़ी के श्रीनगर में विधिक जागरूकता और साक्षरता शिविर का आयोजन।

पीएम ऑन स्थापना दिवस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उत्तराखण्ड अगर ठान ले तो अगले कुछ ही वर्षों में खुद को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के तौर पर स्थापित कर सकता है। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रदेश के पवित्र मंदिर, आश्रम, योग को ग्लोबल नेटवर्क से जोड़ा जा सकता ळें

वाइब्रेंट विलेज योजना का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार सीमा पर स्थित हर गांव को पर्यटन से जोड़ने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि इसी तरह उत्तराखंड का हर गाँव पर्यटन का केन्द्र बनना चाहिए।

रजत जयंती समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से आज उत्तराखंड शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, कृषि सहित सभी क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व में राज्य में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, जी–20 सम्मेलन और 38वें राष्ट्रीय खेलों का भव्य आयोजन किया गया।

सीएम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य स्थापना की 'रजत जयन्ती' के अवसर पर गैरसैंण के भराड़ीसैंण में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कल रजत जयंती समारोह में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सभी प्रदेशवासियों को सान्निध्य प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री के कहे गए शब्दों को चरितार्थ करने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर प्रयासरत है।

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी नगर पालिका टाउन हॉल में उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित भव्य सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में कलाकारों के उत्साह और प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

अमर शहीद राज्य आंदोलनकारियों को नमन करते हुए श्री जोशी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान की बदौलत आज हम अपने अलग राज्य की रजत जयंती मना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में आने वाले समय में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। श्री जोशी ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में कृषि, उद्यान और ग्राम्य विकास विभाग में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं।

वंदे मातरम

देश अपने राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम की एक सौ पचासवीं वर्षगांठ मना रहा है। आज हम बता रहे हैं कि वंदे मातरम की भावना ने भारत की सीमाओं से परे जाकर विश्व भर के क्रांतिकारियों को स्वतंत्रता संग्राम के लिए कैसे प्रेरित किया।

वंदे मातरम का जोशीला नारा भारत की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहा। बल्कि समुद्रों और महाद्वीपों को पार करते प्रवासी भारतीयों में भी देशभक्ति की लौ जलाता रहा। 22 अगस्त 1907 में स्वतंत्रता सेनानी मैडम भीकाजी कामा ने जर्मनी के स्टटगार्ट में विदेशी धरती पर पहली बार भारतीय तिरंगा झंडा फहराया था। इस ऐतिहासिक घटना ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया। मैडम कामा और श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा डिज़ाइन किए गए ध्वज पर वंदे मातरम अंकित था। ठीक दो साल बाद 1909 में, क्रांतिकारी मदन लाल ढींगरा को ब्रिटिश शासन के खिलाफ उनके कार्य के लिए लंदन में फांसी दे दी गई। उनके अंतिम शब्द थे "वंदे मातरम"। इन शब्दों ने देश के लिए बहादुरी और बलिदान का शाश्वत संदेश दिया। इसी वर्ष, पेरिस के भारतीय देशभक्तों ने वंदे मातरम् नामक एक पत्रिका शुरू की, जिसने दुनियाभर में भारत की स्वतंत्रा और एकता का संदेश फैलाया। इसके बाद अक्टूबर 1912 में गोपाल कृष्ण गोखले ने दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में कदम रखा। जहां उसका स्वागत वंदे मातरम के जयकारों से भव्य जुलूस

द्वारा किया गया और इसी प्रकार यूरोप से लेकर अफ्रीका तक, "वंदे मातरम" भारत के संघर्ष की धड़कन बन गया।

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर पौड़ी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से श्रीनगर में विधिक जागरूकता और साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी की सचिव नाज़िश कलीम ने कहा कि हर नागरिक को अपने विधिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी होनी चाहिए, ताकि न्याय की पहुँच समाज के हर व्यक्ति तक सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि विधिक साक्षरता से ही समाज में समानता, न्याय और सशक्तिकरण की भावना विकसित होती है।

शिविर में नालसा थीम "एक मुट्ठी आसमान", "लोकपाल" लघु फिल्म, नशा मुक्ति संदेश, "तुम गिरना मत" तथा "नशामुक्त भारत के लिए जागरुकता व कल्याण अभियान" जैसी लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया, जिनके माध्यम से नशामुक्ति और न्यायिक जागरुकता का संदेश दिया गया।

शिविर में उपस्थित आमजन को विधिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालतों की भूमिका, महिला एवं बाल संरक्षण कानूनों, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों और श्रमिकों से जुड़े कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गयी।

प्राचीन नौले

पौड़ी की जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने नगर के एजेंसी चौक स्थित प्राचीन नौले की जीर्णोद्धार के पश्चात शुरुआत की। इस नौले का सौन्दर्यीकरण भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से किया गया है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्वयं नौले से जल निकालकर आचमन किया और कहा कि इस जल की ताजगी और शुद्धता हमारी प्रकृति की समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह नौला केवल जलस्रोत नहीं, बल्कि पौड़ी नगर की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यावरणीय चेतना का प्रतीक है।

जिलाधिकारी ने रेडक्रॉस की इस प्रेरक पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास जनसहभागिता के माध्यम से जिले के अन्य नौलों और धरोहरों के पुनर्जीवन के लिए मिसाल बन सकते हैं।